School Lectt Sanskrit 2015

45

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination School Lecturer Comp Exam 2015

Name of Expert 1

(with Post & Contact no.) 2

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
2	1	नीचैः शब्द अशुद्ध है जो कि पाठ्यक्रम में भी अशुद्ध छपा है। इसका शुद्ध स्वरूप 'नीचैः' है। भाषा की दृष्टि से अशुद्ध होने पर भी आयोग का उत्तर विकल्प 1 सही है। इस आधार पर विद्यार्थियों की आपत्ति निरस्त की जा सकती है
6	4	अन्तरा अव्यय पद है, जिसका अर्थ 'बीच में', 'के बिना' 'सिवाय' आदि वामन शिवराम आप्टे रचित 'संस्कृत हिन्दी कोश' में उल्लिखित है। 'अन्तरा' के योग में 'अन्तराऽन्तरेण युक्ते' सूत्र (अष्टा. 2/3/4) से द्वितीया का प्रयोग समुचित है। विद्यार्थियों अतः आयोग का उत्तर सही है। की आपत्ति निराधार है
7	1	आयोग का उत्तर विकल्प 1 - विना सही है। जो कि भाषा की दृष्टि से अशुद्ध 'बिना' छपा गया है 'बवयोरभेदः' से इसे शुद्ध माना जाना चाहिए - यद्यपि संस्कृत के शास्त्रीय प्रयोग में 'बिना' का न होकर 'विना' का ही प्रयोग होता है - पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्!

Additional Remarks :-

School Lect Sanskrit 2015

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination School Lecturer (Comp. Exam 2015

Name of Expert 1.

(with Post & Contact no.) :

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
34	3.	आयोग का विकल्प -3 'सहृदयहृदयावर्जकम्' सही है। अन्य विकल्प विषय की दृष्टि से अशुद्ध है। अतः विद्यार्थियों की आपत्ति निराधार है
47.	2.	आयोग का उत्तर विकल्प - 2 - 'लम्बौ कर्णौ यस्य सः' ही ठीक है अन्य विकल्प अशुद्ध है अतः विद्यार्थियों की आपत्ति निराधार है
48	1 & 3	विद्यार्थियों की आपत्ति सही है - क्योंकि विकल्प 1 - यवचणकाः एवं विकल्प-3 'यवचणकम्' दोनों उत्तर - 'विभाषा वृक्षमृग तृणधान्य व्यञ्जन पशु शकुन्यश्ववडव पूर्वापराधरोत्तराणाम्' सूत्र (अष्ट. 2/4/12) से विकल्प से एकवद्भाव होने के कारण सही है। अतः दो विकल्प सही होने से प्रश्न को निरस्त करने की अभिशंसा की जाती है।

Additional Remarks :-

School Lectt Sanskrit 2015

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination School Lecturer Comp. Exam. 2015

Name of Expert 1

(with Post & Contact no.)

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
49.	3	आयोग उत्तर विकल्प '3' रमेशः विद्यालयं गच्छति' सही है
57	2 & 3.	विकल्प 2 एवं 3 दोनों सही हैं - विकल्प 3 - आर्यानिविशश्च से सही है (सूत्र 1/4/47) तथा विकल्प 2 - 'सह सुपा' (2/1/4) अथवा 'षष्ठी' (2/2/8) सूत्रों से 'सन्मार्गस्य उपरि' का वैकल्पिक समास होकर 'सन्मार्गोपरि' शुद्ध प्रयोग है - अतः दो विकल्प सही होने से प्रश्न को निरस्त करने की अनुशंसा।
58	3	विकल्प -'3' 'स अध्ययनेन गुरुकुलं उपवसति' सही है - आयोग ने उत्तर सही दिया है विद्यार्थियों की आपत्ति निराधार है। एक ही विकल्प सही है

Additional Remarks :-

School Lectt Sanskrit 2015

4

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination ......School Lecturer comp. Exam. 2015......

Name of Expert :

(with Post & Contact no

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
60	3	आयोग का उत्तर विकल्प '3' सही है - किन्तु वर्तनी की अशुद्धि रह गयी है - क्रुध्यति के स्थान पर कुध्यति सही प्रयोग है
71	4	आयोग उत्तर सही है - विकल्प - '4' मरीच्याम्रे। विद्यार्थी की आपत्ति निराधार है।
75	1	आयोग का उत्तर विकल्प '1' सही है - अग्निसूक्त - 1.1. (ऋग्वेद) मन्त्र सं - 8 - राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिवम्' के अनुसार।

Additional Remarks :-

School Lectt Sanskrit 2015

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination School Lecturer Comp. Exam-2015

Name of Expert 1

(with Post & Contact no.

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
79.	1.	आयोग का उत्तर विकल्प '1' सही है - पुरुषसूक्त - के मन्त्र - 9 - (10. 90 - ऋग्वेद) 'तस्मात् यज्ञात् सर्वहुतः ऋचः सामानि जज्ञिरे' - के अनुसार। अतः विद्यार्थियों की आपत्ति निराधार है
88.	2	आयोग का उत्तर विकल्प 2 - 'वृक्षम्' सही है' अन्य विकल्प गलत हैं - क्योंकि 'अकथितं च' सूत्र से अपादान कारक की अविवक्षा में 'वृक्ष' की कर्म संज्ञा होकर 'कर्मणि द्वितीया' से द्वितीया विभक्ति हुई है। विद्यार्थियों की आपत्ति निराधार है।
~~99~~. 132	1.	आयोग का उत्तर विकल्प '1' ही सही है अन्य विकल्प गलत है अतः विद्यार्थियों की आपत्ति निराधार है।

Additional Remarks :-

School Lect Sanskrit 2015

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination स्कूल प्राध्यापक - संस्कृत परीक्षा 2015

Name of Expert 1

(with Post & Contact no.)

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
134.	1 व 3	1 व 3 दोनों विकल्प सही हैं - 'वर्गाणां प्रथमतृतीयपञ्चमा यणश्चाल्पप्राणाः' तथा 'हशः संवारा नादा घोषाश्च' - से 'हश' के अन्तर्गत यण् भी समाहित है। एक से अधिक विकल्प सही होने के कारण प्रश्न को निरस्त करने की अभिशंसा की जाती है
141	4.	आयोग का उत्तर विकल्प - 4 - सही है - क्योंकि मूल में सन्धि-विच्छेद - 'शिवस् + अर्च्यः' ही है - जो 'ससजुषो रुः' (8/2/66), 'अतो रोरप्लुतादप्लुते' (6/1/113) तथा 'आद् गुणः' (6/1/84) सूत्रों की प्रक्रिया द्वारा सिद्ध होकर 'शिवो अर्च्यः' बनता है तब 'एङः पदान्तादति' सूत्र से 'शिवोऽर्च्यः' रूप सिद्ध

Additional Remarks :-

Signature

School Lect. Sanskrit 2015

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination Lecturer - School Education (2015) Sanskrit

Name of Expert 1

(with Post & Contact no.)

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
99	2	सही उत्तर (2) है जे.एम. स्टीफन के अनुसार "शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक विकास का क्रमबद्ध अध्ययन है।" सन्दर्भ - शिक्षा मनोविज्ञान - एस.पी. गुप्ता व अलका गुप्ता (2012) शारदा पुस्तक भवन पेज सं. (8)
100	3	सही उत्तर (3) है। किशोरावस्था में शारीरिक वृद्धि एवं विकास के अन्तर्गत किशोर बालक की हड्डियां व मांसपेशियां काफी सशक्त व सक्षम बन जाती है जिससे उनकी गत्यात्मक क्रियाओं की मात्रा में वृद्धि हो जाती है तथा वे अधिक कार्यकुशल बन जाते हैं। सन्दर्भ - शिक्षा मनोविज्ञान - एस.के. मंगल (2015) पेज. 172 PHI Learning Pvt. Ltd.
103	1	सही उत्तर (1) है। विकास की दिशा के सिद्धान्त के अन्तर्गत विकास की प्रक्रिया पूर्व निश्चित दिशा में आगे बढ़ती है। कुप्पुस्वामी के अनुसार cephalo-caudal क्रम में विकास सिर से पैर की ओर होता है। संदर्भ - (1) शिक्षा मनोविज्ञान - एस.के. मंगल (2015) पेज सं. 87 PHI Learning Pvt. Ltd. (2) शिक्षा मनोविज्ञान - ~~एस.के.~~ अरुण कुमार सिंह (2003) पेज सं. 8। भारती भवन प्रकाशन

Additional Remarks :-

School Lectt Sanskrit

(2)

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination Lecturer - School Education (2015) Sanskrit

Name of Expert

(with Post & Contact n

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
104.	3	सही उत्तर (3) है। अभिप्रेरणा किसी कार्य की मात्रा को बनाती है। संदर्भ - शिक्षा मनोविज्ञान - एस.पी. गुप्ता व अलका गुप्ता (2012) शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद पेज सं. 73
105	2	सही उत्तर (2) है। Ref- शिक्षा मनोविज्ञान - एस.के. मंगल (2015) पृ. 295-296 PHI Learning Pvt. Ltd.
107	विलोपित	प्रश्न out of syllabus है। व्यक्तिगत विभिन्नता (Individual difference) पाठ्यक्रम में नहीं है।

Additional Remarks :-

School Lectt Sanskrit 2018

(3)

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination Lecturer School Edu. Sanskrit

Name of Expert 1

(with Post & Contact no.)

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
108	1	सही उत्तर - (1) है। टरमन के अनुसार 140 या उससे ऊपर बुद्धिलब्धि वाले को प्रतिभाशाली माना जाता है। संदर्भ - शिक्षा मनोविज्ञान - एस. के. मंगल (2015) पेज - 359 PHI Learning Pvt. Ltd. Delhi.
109	2	सही उत्तर (2) है। मनोवैज्ञानिक पियाजे (Piaget) के अनुसार मानसिक विकास की मूर्त संक्रियात्मक अवस्था का समय काल 7 वर्ष से 11 वर्ष के बीच होता है। संदर्भ - शिक्षा मनोविज्ञान - एस. के. मंगल - (2015) पेज 103-105 PHI Learning Pvt. Ltd. Delhi.
110	1	सही उत्तर (1) है। विकास की प्रक्रिया गर्भाधान से प्रारम्भ होकर मृत्यु तक निरन्तर चलती है। संदर्भ (1) शिक्षा मनोविज्ञान - एस. के. मंगल (2015) पेज 82-83 (2) शि. मनोविज्ञान - अरुण कुमार सिंह (2003) पेज 83 भारती भवन इलाहाबाद.

Additional Remarks :-

School Lect Sanskrit 2015

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination: Lecturer School Edu. Sanskrit

Name of Expert 1

(with Post & Contact no.

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
111	1	सही उत्तर (1) है। प्रश्न out of syllabus नहीं है। संवेगात्मक दशा में बालक मानसिक उपद्रव की स्थिति में होता है जिससे उसका व्यवहार अस्थिर हो जाता है चंचल, स्थान व निरुत्साह होता है। Ref. शिक्षा मनोविज्ञान – एस.पी. गुप्ता अलका गुप्ता (2012) शारदा पुस्तक भवन पृ. No. 44
112	3	सही उत्तर (3) है। थर्स्टन के अनुसार बुद्धि कई विशेष मानसिक योग्यताओं या क्षमताओं का एक योग है। (1) Ref. अरुण कुमार सिंह 2003. Pg. 470 (old) कोलेसनिक ने बुद्धि पर कोई कथन नहीं दिया (2) उच्च शिक्षा मनोविज्ञान – आर.पी. पाठक . Pg 278
113	2	सही उत्तर (2) है बुद्धि लब्धि (I.Q.) के माध्यम से व्यक्ति के बौद्धिक स्तर या योग्यता का मान प्राप्त होता है। Ref (1) शिक्षा मनोविज्ञान – एस.के. मंगल (2015) Pg. 359 (2) मनोविज्ञान कक्षा XII (2014) अरुण कुमार सिंह Pg. 27 मोतीलाल बनारसीदास

Additional Remarks :-

Signatur

School Lect Sanskrit 2015

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination ...Lecturer School Edu. Sanskrit...

Name of Expert

(with Post & Contact no.

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
117	3	सही उत्तर (3) है। Ref. शिक्षा मनोविज्ञान – एस. के. मंगल (2015) Pg. 205–206
120	निरस्त	प्रश्न की संरचना सही नहीं है। अधिगम सिद्धांत में प्रतिभा से सम्बन्धित कोई सिद्धांत नहीं है (जिसे आयोग द्वारा उत्तर बताया गया है)
121	1	सही उत्तर (1) है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धिलब्धि व प्रतिभा में मेल किया जिसके अनुसार प्रतिभाशाली, उत्कृष्ट, निर्बल बुद्धि एवं मूर्ख के अनुसार उनकी I.Q. तैयार की जाएगी। Ref (1) शिक्षा मनोविज्ञान – एस. एस. माथुर – अग्रवाल पब्लिकेशन (2007–08) पेज संख्या 125 (2) शि. मनोविज्ञान – एस. के. मंगल – PHI Publishers, Ltd. Pg. 358–361

Additional Remarks :-

Signature

Rajasthan Public Service Commission, Ajmer

Expert Validation of Answer Key

Name of Examination School lect. Sanskrit 2015 (Edu & Comp

Name of Expert

(with Post & Contact n

Question No. (Series A)	Answer	Remarks/References (Use proper arguments or references in support of your answers)
123	1, 4 (MO)	option 1 and 4 are correct. both the word spam and Junk are used technic for the unsolicited email. so Question should be deleted
125	1	Commission answer is correct.
127	2	Commission answer is correct.

Additional Remarks :-

Signature